Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, JULY-AUGUST, 2021, VOL- 9/66

सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

गुलशन कुमार
(Ph.D, शोधार्थी) शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)-442001
Email- gulshansudhaa@gmail.com

Paper Received On: 21 JULY 2021
Peer Reviewed On: 31 JULY 2021
Published On: 1 SEPT 2021

Abstract

सम्पूर्ण अध्ययन सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता के अंतर्गत स्थित है । इस अध्ययन में 'कैरियर जागरूकता' केंद्र बिंदु है । यह अध्ययन माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से सम्बंधित है । इस अध्ययन के माध्यम से सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के अंतर की जांच की गई है । प्रदत्तों को एकत्र करने के लिए अध्ययनकर्ता द्वारा स्व निर्मित कैरियर जागरूकता प्रश्नावली का उपयोग किया गया । प्रश्नावली में 45 प्रश्न निहित हैं जो कि पांच स्तरों पर विभाजित किए गए हैं जैसे अत्यधिक, बहुधा, अनिश्चय, प्रायः, कभी नहीं । कुल 120 विद्यार्थियों का यादृच्छिक विधि से चयन कर यह अध्ययन 10 वीं कक्षा पर प्रशासित है । यह अध्ययन केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद क्षेत्र के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता की तुलना करता है ।

संकेतक शब्दः- *सरकारी एवं गैर- सरकारी, किशोर, बालक एवं बालिका, कैरियर जागरूकता ।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना-

शिक्षा हो या अन्य कोई क्षेत्र परन्तु देश काल परिस्थिति के अनुकूल विभिन्न कालों में भिन्न-भिन्न रूपों में कैरियर के क्षेत्रों में संभावनाएं घटती बढ़ती रही है । कैरियर चुनना जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है (एस. बरज़ा, एम. आर., एवं गुलिओ, आर. एम. 2015 पृष्ठ-78) कैरियर के सन्दर्भ में प्रत्येक व्यक्ति को एक ट्रस्टी के समान होना चाहिए किसी व्यक्ति का कैरियर केवल उसके स्वयं के लिए नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज तथा सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए भी है (कुमार, आर. 2017 पृष्ठ-07) कैरियर जागरूकता कैरियर के विकास का पहला चरण माना जाता है (किंडो, एम., एवं अस्तलिन, पी. के. 2020 पृष्ठ-73) जिसके तहत विद्यार्थियों को सफल होने के लिए अच्छी जानकरी व कैरियर के प्रति समझ होना आवश्यक है । माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में कैरियर व विषय संवर्गों के प्रति जागरूकता होनी चाहिए तभी वह समाज में एक उक्त मुकाम हांसिल कर सकते है ।

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद में माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालक एवं बालिकाओं का शिक्षा का स्तर बहुत सराहनीय रहा है । यहाँ के कुछ विद्यालयों में निर्देशन व परामर्श कार्यक्रमों की भी सुविधाएँ उपलब्ध है । जिस कारण यहाँ के विद्यालयों से शिक्षा पाकर काफी विद्यार्थियों ने अच्छा मुकाम हासिल किया है । विद्यार्थियों के लिए किसी भी मुकाम को हासिल करने के लिए अपने लक्ष्य निर्धारित करने होते है । उसके लिए उसे उचित परामर्श-एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है । (मीनाक्षी., एवं सादिक, एस. 2017 पृष्ठ-304) जिससे पाकर विद्यार्थियों को सही दिशा का बोध होता है । और यह परामर्श कैरियर जागरूकता की भूमिका में भी सहायक है ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

जीवन की पूर्ण सफलता रुचि, योग्यता, स्रोत, आवश्यकता, प्रभाव अनुकूल कैरियर चयन पर निर्भर करती है । इसलिए वर्तमान समय में कैरियर के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक हैं । परन्तु यह एक विचारणीय प्रश्न है कि दुनियां में प्रत्येक शैक्षिक संस्थानो, सरकारों द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं से कैरियर जागरूकता सम्बंधित प्रयास किए जा रहे हैं, क्या वे सही दिशा में चल पा रहें हैं? क्या जो विद्यार्थी कक्षा 11 वीं में विषय का चयन करेगा उससे संबंधि कैरियर के क्षेत्र क्या-क्या होंगे उनको वह समझता है? क्या विद्यार्थियों में कैरियर के प्रति उचित जागरूकता हैं । विद्यार्थियों की आकांक्षा स्तर क्या है? (जोशी, ए., एवं कश्यप, एस. 2014 पृष्ठ-61) उनकी कैरियर के प्रति मानसिक स्थिति क्या है? बच्चा वैज्ञानिक व मनोवैज्ञानिक सम्बन्ध कैरियर को लेकर कितना स्थापित कर पा रहा है? इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखकर अध्ययन करता अध्ययन के लिए अग्रसर है ।

साहित्य समीक्षा-

अध्ययन की समीक्षा कैरियर जागरूकता के सम्बन्ध में विभिन्न क्षेत्रों से सम्बंधित है-

सेठी, आर. (2017). ने 'कैरियर अवेयरनेस ऑफ़ स्टूडेंट एट सेकेंडरी स्कूल ऑफ़ ओडिशा' का अध्ययन किया । इस अध्ययन में इन्होंने माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता, जानकारी प्रदान करने में विद्यालय की भूमिका और विभिन्न प्रकार के विद्यालयों लिंग और अभिभावकों की शिक्षा के सम्बन्ध में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता की तुलना की । इस अध्ययन में इन्होंने सर्वेक्षण विधि का उपयोग कर पाया कि अध्ययन इस सच्चाई को उजागर करता है कि हमें अपने विद्यार्थियों को कैरियर के सही विकल्पों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पर्याप्त रूप से पूर्ण बनाने के लिए समग्र प्रयास करने होंगे । आज की दुनिया में यह मिथक है कि हमारे विद्यालयी विद्यार्थियों को कोई समस्या नहीं है या सब कुछ ठीक करने के लिए जो कुछ भी आवश्यक है वह पर्याप्त है । एक अच्छा शिक्षण या मार्गदर्शन और परामर्श के रूप में सेवा उच्च माध्यमिक शिक्षा के अलावा तुच्छ है यह आज दुनिया में दिखाई दे रहा है । शर्मा, के. (2016). ने 'वोकेशनल इंटरेस्ट रेगार्डिंग कैरियर अवेयरनेस अमोंग एडोलसेंट बॉयज एंड गर्ल्स ऑफ़ रोहतक सिटी : हरयाणा (इंडिया)' विषय का अध्ययन किया । इस अध्ययन के उद्देश्य उच्च विद्यालय के किशोर विद्यार्थियों की व्यावसायिक रुचि के संबंध में लिंग अंतर का अध्ययन करना था । परिणामों में पाया गया कि आजकल किशोर विद्यार्थी एक ही वातावरण में बढ़ रहे हैं और समान कैरियर जागरूकता प्राप्त कर रहे हैं । किंडो, एम., एवं अस्तलिन, के. पी. (2020). ने 'ए स्टडी ऑफ़ कैरियर अवेयरनेस ऑफ़ ट्राइबल एंड नॉन ट्राइबल स्टूडेंट्स ऑफ़ गुमला डिस्ट्रिक्ट झारखण्ड' का अध्ययन किया । इस अध्ययन के उद्देश्य आदिवासी और गैर-आदिवासी छात्रों के कैरियर जागरूकता के स्तर का अध्ययन और आदिवासी और गैर-आदिवासी एवं पुरुष और महिला छात्रों के कैरियर जागरूकता की तुलना करना था । परिणामों में पाया गया कि अधिकांश आदिवासी छात्रों में कैरियर के प्रति जागरूकता का स्तर निम्न और औसत था । गैर-आदिवासी छात्रों में कैरियर जागरूकता का स्तर आदिवासी छात्रों की तुलना में काफी अधिक पाया गया है तथा लिंग भी कैरियर जागरूकता से संबंधित एक कारक है । इब्राहीम, ऍफ़. आर., वाम्बिया. पी., अलोका. पी., एवं रबुरु, पी. (2014). ने 'द स्टेटस ऑफ़ कैरियर अवेयरनेस अमोंग सिलेक्टेड केन्या पब्लिक सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स' विषय पर केन्या में अध्ययन किया । इस अध्ययन के उद्देश्य केन्या प्रान्त के मार्सबिट सेंट्रल जनपद के पब्लिक माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता का अध्ययन करना था । इस अध्ययन में वर्णनात्मक व सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया परिणाम स्वरूप पाया कि विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता के साथ महत्वपूर्ण संबंध पाया गया जो विद्यार्थी कैरियर को जानते थे वो कैरियर से संबंधित निर्णय लेने में सक्षम पाए गए और जिन विद्यार्थियों को कैरियर के बारे में जानकारी नहीं थी उन विद्यार्थियों को कैरियर निर्णय लेने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है ।

परिभाषिक शब्दावली-

सरकारी विद्यालय-

सरकारी विद्यालय सरकार द्वारा संचालित विद्यालय होते हैं । यह विद्यालय पूर्ण रूप से राज्य सरकार एवं केद्र सरकार के अंतर्गत आते है । राज्य में स्थित विद्यालय जिसे प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक विद्यालय यह राज्यों के

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अंतर्गत आते है इन्हें राज्य सरकारे चलती हैं । और नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय इत्यादि । यह विद्यालय केंद्र सरकार के अंतर्गत आते है इन्हें केंद्र सरकार चलती हैं इनका राज्य सरकारों से कोई लेना देना नहीं होता ।

गैर-सरकारी विद्यालय-

गैर-सरकारी विद्यालय यह विद्यालय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय होते हैं । सरकार इस विद्यालयों का समय-समय पर सर्वे करती है । इसे निजी विद्यालय भी कहा जाता है । निजी विद्यालय कोई भी व्यक्ति जो योग्य हो अपने खर्चे पर खोल सकता है बस उसे केंद्री सरकार द्वारा मान्यताएं लेनी पड़ती है ।

किशोर बालक एवं बालिकाएं-

किशोर बालक एवं बालिकाएं उच्च प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत आतें हैं । इनकी उम्र सीमा 11 से 18 वर्ष के बीच होती हैं । आइजनेक के शब्दों मे _"किशोरावस्था वयः संधि के बाद की वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति के अन्दर उत्तरदायित्व की भावना स्थापित होती है ।" (चौहान, आर., एवं पाठक, पी. डी. 2015 पृष्ठ-153)

कैरियर जागरूकता-

कैरियर जागरूकता से आशय नौकरी, व्यवसाय सम्बंधित क्षेत्रों में जागरूक होने से है जिससे व्यक्ति भविष्य में एक सफल व्यक्ति बन सके और अपने इच्छा अनुसार कैरियर बना सके । विद्यार्थी अपने विद्यालयी जीवन के अध्ययन अध्यापन के दौरान अपने भविष्य के प्रति कितना सचेत है कैरियर जागरूकता इन सब पहलुओं से सम्बंधित है ।

अध्ययन सम्बंधित प्रश्न एवं उद्देश्य -

1. सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं में से किसकी कैरियर जागरूकता अधिक पाई जाती है ?
2. गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं में से किसकी कैरियर जागरूकता अधिक पाई जाती है ?
3. सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं में से किसकी कैरियर जागरूकता अधिक पाई जाती है ?

उपुक्त प्रश्नों को ध्यान में रख कर निम्नलिखित उद्देश्यों का निर्माण किया गया है-

1. सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना ।
2. गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना ।
3. सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

अध्ययन कि परिकल्पनाएं-

1. सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है ।
2. गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

3. सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है ।

अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों पर किया गया है । यह अध्ययन पश्चिमी दिल्ली जनपद के बालक एवं बालिकाओं तक सीमित हैं । अध्ययन में वर्णात्मक संसोधन एवं सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया हैं ।

न्यादर्श

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के दो विद्यालयों के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन गूगल फार्म के माध्यम से आयोजित किया गया था । जिसमें सरकारी एवं गैर-सरकारी माध्यमिक कक्षा के 10 वीं में पढ़ने वाले बालक एवं बालिकाएं शामिल थे । विद्यालय के चयन के लिए उद्देश्यपूर्ण नमूने का उपयोग किया गया । विद्यालय में बालक एवं बालिकाओं को उत्तरदाताओं के रूप में चयन के लिए यादृच्छिक न्यादर्श तकनीक का उपयोग किया गया । न्यादर्श में कुल 120 विद्यार्थी शामिल हैं जिसमें सरकारी विद्यालय के 30 बालक एवं 30 बालिकाएं तथा गैर-सरकारी विद्यालय से 30 बालक एवं 30 बालिकाएं शामिल हैं ।

उपकरण

उपकरण के रूप में शोधकर्ता द्वारा स्व निर्मित कैरियर जागरूकता मापिनी का उपयोग किया गया । इस मापिनी के माध्यम से सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता की सार्थकता अंतर की जाँच की गई है । इस मापिनी में पांच बिंदु पैमाने का उपयोग करते हुए 45 प्रश्नों का निर्माण किया गया है । इन 45 प्रश्न को चार भागों में अभिव्यक्त किया गया है । 1. सामजिक, व्यक्तिगत, आश्रित, अनाश्रित । प्रत्येक बिन्दुओं के लिए अंक निर्धारित किया गया हैं जैसे अत्यधिक के लिए 5 अंक, बहुधा के लिए 4 अंक, अनिश्चय के लिए 3 अंक, प्राय: के लिए 2 अंक और कभी नहीं के लिए 1 अंक यह मापिनी लिक्ट्स मापिनी के आधार पर बनाई गई है ।

प्रद्त्तों के संग्रहण की प्रक्रिया

प्रद्त्तों के संग्रहण करने से पहले अध्ययनकर्ता ने केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के विद्यालयों में जाकर विभिन्न अधिकारियों एवं प्रधानाचार्य को अध्ययन विषय "सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन" से अवगत कराया और उनसे विद्यार्थियों के तथा विद्यार्थियों के अभिभावकों के संपर्क सूत्र प्राप्त किए गए । और कक्षा 10 के विद्यार्थियों से मापिनी भरवाने की आज्ञा प्राप्त की । विद्यालय द्वारा प्राप्त संपर्क सूत्रों से संपर्क कर विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को अध्ययन विषय से अवगत कराया गया । और गूगल फॉर्म के माध्यम से बनाई गई मापिनी को विद्यार्थियों को उनके ईमेल अथवा व्हाट्सअप पर भेज कर मापिनी को 25-35 मिनट का समय देकर भरवाया गया । भरवाए गए मापिनी के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय तकनीक के रूप में अध्ययनकर्ता ने मध्यमान, मानक विचलन व t-परिक्षण द्वारा प्रद्त्तों का विश्लेषण किया ।

प्रद्त्तों के विश्लेषण

तालिका क्रमांक- 01

सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता की तुलना-

समूह	N	मध्यमान	मानक विचलन	t-परिक्षण	तालिका मान	स्वातंत्र्य की मात्रा
सरकारी विद्यालयों के बालक	30	97.76	17.14	0.87	2.00.	58
सरकारी विद्यालयों के बालिकाएं	30	93.8	17.97			
कुल योग	60				सार्थकता स्तर 0.05	

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका क्रमांक-01 में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि सरकारी विद्यालय के किशोर बालकों के कैरियर जागरूकता का माध्य 97.76 तथा मानक विचलन 17.14 है । और सरकारी विद्यालय के किशोर बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का माध्य 93.8 तथा मानक विचलन 17.97 है । दोनों चरों के मध्य t-अनुपात का मान 0.87 है । जो 0.05 सार्थकता स्तर पर 58 स्वातंत्र्य की मात्रा के सारणीयन मान 2.00 से कम है । अतः शून्य परिकल्पना सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है । स्वीकृत होती है ।

अतः कहा जा सकता है कि सरकारी विद्याल के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में कोई अंतर नहीं है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान है ।

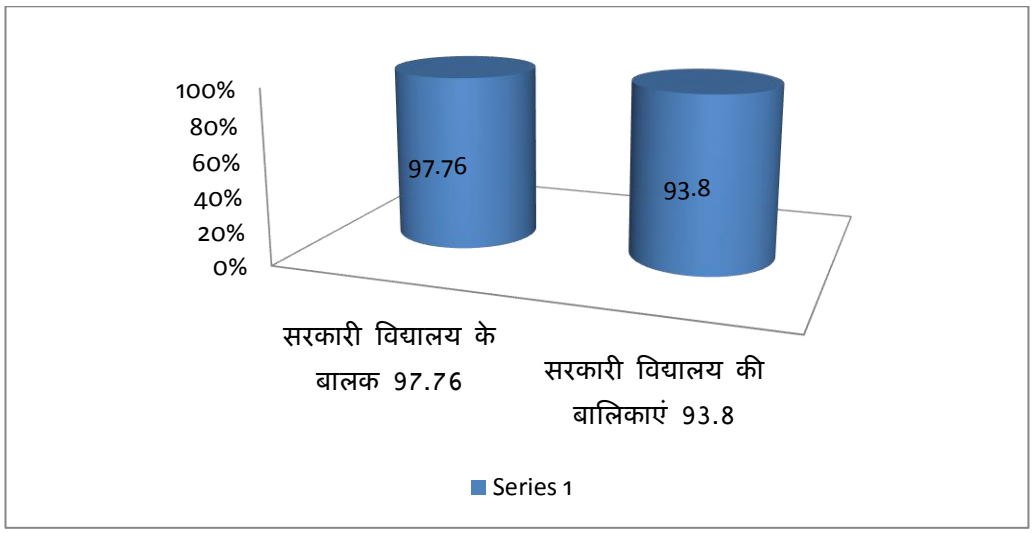

तालिका क्रमांक-01 में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि सरकारी विद्यालय के किशोर बालकों के कैरियर जागरूकता का माध्य 97.76 तथा मानक विचलन 17.14 है । और सरकारी विद्यालय के किशोर बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का माध्य 93.8 तथा मानक विचलन 17.97 है । दोनों चरों के मध्य t-अनुपात का मान 0.87 है । जो 0.05 सार्थकता स्तर पर 58 स्वातंत्र्य की मात्रा के सारणीयन मान 2.00 से कम है । अतः शून्य परिकल्पना सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है । स्वीकृत होती है ।

अतः कहा जा सकता है कि सरकारी विद्याल के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में कोई अंतर नहीं है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान है ।

तालिका क्रमांक-01 में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि सरकारी विद्यालय के किशोर बालकों के कैरियर जागरूकता का माध्य 97.76 तथा मानक विचलन 17.14 है । और सरकारी विद्यालय के किशोर बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का माध्य 93.8 तथा मानक विचलन 17.97 है । दोनों चरों के मध्य t-अनुपात का मान 0.87 है । जो 0.05 सार्थकता स्तर पर 58 स्वातंत्र्य की मात्रा के सारणीयन मान 2.00 से कम है । अतः शून्य परिकल्पना सरकारी विद्यालयों में

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है । स्वीकृत होती है ।

अतः कहा जा सकता है कि सरकारी विद्याल के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में कोई अंतर नहीं है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान है ।-

तालिका क्रमांक- 02

गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता की तुलना-

समूह	N	मध्यमान	मानक विचलन	t-परिक्षण	तालिका मान	स्वातंत्र्य की मात्रा
गैर-सरकारी विद्यालयों के बालक	30	103.43	20.62	2.5	2.00	58
गैर-सरकारी विद्यालयों के बालिकाएं	30	89.33	23.02			
कुल योग	60				सार्थकता स्तर 0.05	

तालिका क्रमांक-02 में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालकों के कैरियर जागरूकता का माध्य 103.43 तथा मानक विचलन 20.62 है । और गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का माध्य 89.33 तथा मानक विचलन 23.02 है । दोनों चरों के मध्य t-अनुपात का मान 2.5 है । जो 0.05 सार्थकता स्तर पर 58 स्वातंत्र्य की मात्रा के सारणीयन मान 2.00 से अधिक है । अतः शून्य परिकल्पना गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है । अस्वीकृत होती है ।

अतः कहा जा सकता है की गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में सार्थक अंतर है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान नहीं है । दोनों समूहों के माध्यों को देखने पर पता चलता है कि गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर वालकों की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांकों के मध्यमान का मान गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्रप्ताओं के माध्य की तुलना में अधिक है अतः स्पष्ट होता है की गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालकों की कैरियर के प्रति जागरूकता अधिक है ।

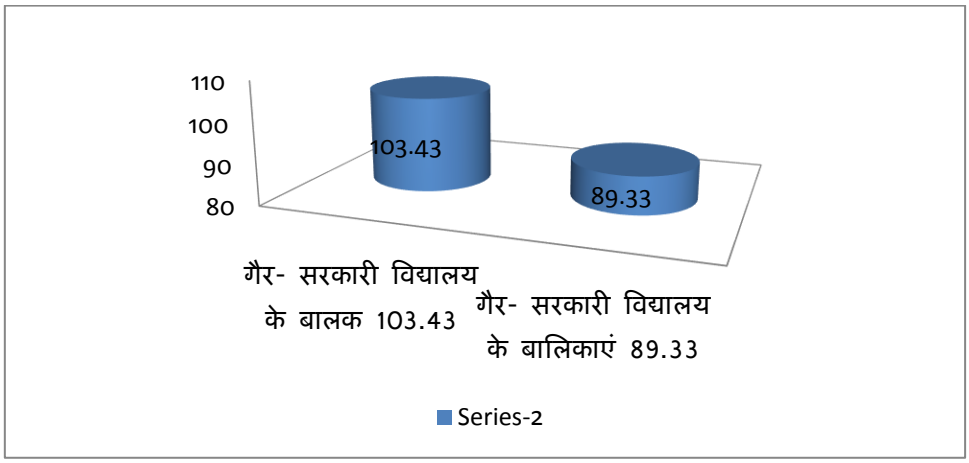

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका क्रमांक- 03

सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता की तुलना-

समूह	N	मध्यमान	मानक विचलन	t-परिक्षण	तालिका मान	स्वातंत्र्य की मात्रा
सरकारी विद्यालयों के बालक व बालिकाएं	60	95.78	17.40	0.16	1.98	118
गैर-सरकारी विद्यालयों के बालक एवं बालिकाएं	60	96.38	22.96			
कुल योग	120				सार्थकता स्तर 0.05	

तालिका क्रमांक-03 में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के कैरियर जागरूकता का माध्य 95.78 तथा मानक विचलन 17.40 है । और गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता का माध्य 96.38 तथा मानक विचलन 22.96 है । दोनों चरों के मध्य t-अनुपात का मान 0.16 है । जो 0.05 सार्थकता स्तर पर 118 स्वातंत्र्य की मात्रा के सारणीयन मान 1.98 से कम है । सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता के प्राप्तांको के माध्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है । स्वीकृत होती है ।

अतः कहा जा सकता है कि सरकारी व गैर- सरकारी विद्याल के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में कोई अंतर नहीं है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान है ।

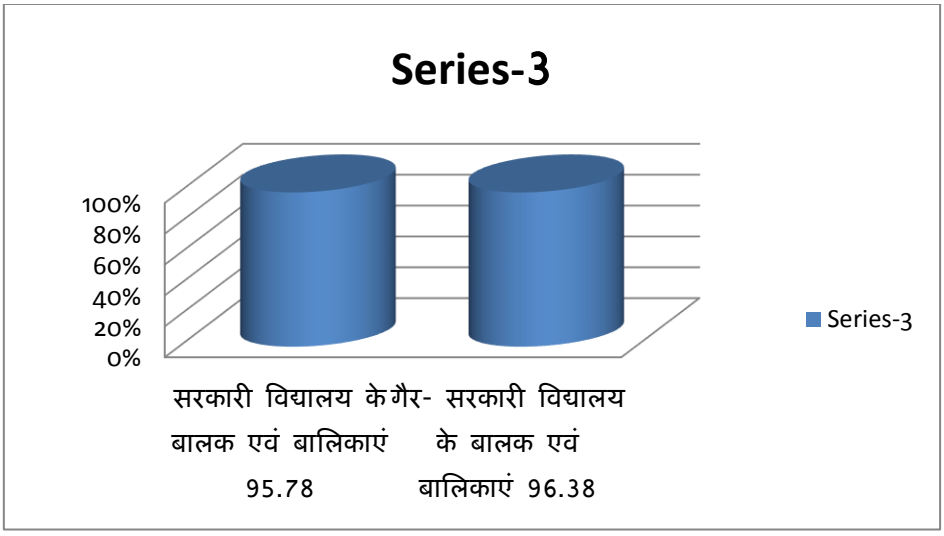

निष्कर्ष एवं चर्चाएं-

अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया गया की सरकारी विद्याल के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में कोई अंतर नहीं है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान है ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

जॉनसन, एल. एस. (2000). ने भी अपने अध्ययन में पाया कि 80% से अधिक विद्यार्थी की कैरियर जागरूकता सामान पाई गई जिसमें बालक एवं बालिकाएं दोनों शामिल थे । सभी विद्यार्थी एक दृष्टिकोण की पहचान करने में सक्षम थे ।

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालकों की कैरियर के प्रति जागरूकता अधिक है । शर्मा, के. (2016). ने भी अपने अध्ययन के निष्कर्षों में पाया कि उपर्युक्त क्षेत्रों में लड़कों और लड़कियों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है । यह इंगित करते हुए कि, लड़कियों ने कलात्मक, सामाजिक और घरेलू पसंद किया, जबकि लड़के कृषि व्यवसायों में उच्च थे । और मट्टू, एम. आई. (2013). ने भी अपने अध्ययन में समर्थन प्राप्त किया की कैरियर विकल्पों और जागरूकता में लिंग के आधार पर कुछ न कुछ महत्वपूर्ण अंतर पाया गया ।

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालय के किशोर बालक एवं बालिकाओं के मध्य कैरियर जागरूकता की तुलना करने पर पाया कि सरकारी व गैर- सरकारी विद्याल के किशोर बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता में कोई अंतर नहीं है । अर्थात् दोनों की कैरियर जागरूकता सामान है । ज्यादातर यह देखा गया कि केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद में बालक एवं बालिकाओं की कैरियर जागरूकता सामान पाई गई और कहीं-कहीं पर लड़कों में कैरियर जागरूकता को अधिक पाया गया इसका कारण यह हो सकता हैं कि लड़कों में विभिन्न प्रकार की जैसे माता-पिता का निर्वहन, भाई-बहन का भविष्य, अपना स्वय का कैरियर इत्यादि की जिम्मेदारियां अधिक होती हैं । इस लिए लड़कियों के मुकाबले लड़कों में कैरियर जागरूकता अधिक पाई जाती हैं । ए. खान, जीनत. (2014). के अध्ययन में कक्षा 10 के विद्यार्थियों में कैरियर जागरूकता की कमी पाई गई । और इनका मानना हैं कि विद्यालयों में समय-समय पर व्यावसायिक कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम होने चाहिए ।

शैक्षिक निहितार्थ-

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली राज्य के पश्चमी दिल्ली जनपद के विद्यालय के बालक तथा बालिकाओं में कैरियर जागरूकता के प्रति कोई विशेष अंतर नहीं पाया गया है । कहीं-कहीं बालकों में कैरियर जागरूकता अधिक पाई गई है । इस अध्ययन से माध्यम से कहा जा सकता हैं की माध्यमिक स्तर की कक्षाएं जीवन की आधारशीला तय करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि 9वीं और 10वीं की कक्षा में ही विद्यार्थियों को यह तय करना होता है की उसे आगे आने वाले कक्षाओं में कौन से विषय का चयन करना है और यही चयनित विषय विद्यार्थियों के लगभग कैरियर तय करते है कि विद्यार्थी किस चीज़ में आगे जाकर कैरियर बनाएगा । इस लिए कहा जा सकता है कि विद्यार्थि चाहे वह बालक हो या बालिका उन्हें कैरियर जागरूकता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । और कैरियर जागरूकता को जागरूक करने में विद्यालयों के शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है इन्हें भी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । और साथ ही साथ विद्यार्थियों के अभिभावकों को समय-समय पर अपने बच्चों को प्रोत्साहन करना चाहिए, तथा मीडिया या नए स्रोतों से उपलब्ध कैरियर संबंधी सभी प्रकार की जानकारी अपने बच्चों को देना चहिए ।

भविष्य में अध्ययन की संभावनाएं-

- उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन ।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों को परामर्श सम्बंधित आवश्यकताओं का अध्ययन ।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के शिक्षा संबंधी निर्देशन व परामर्श की आवश्यकताओं का अध्ययन ।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों की कैरियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन ।
- कैरियर के बड़ते दबाव के बिच विभिन्न विषय संवर्गों की भूमिका का अध्ययन ।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सन्दर्भ ग्रन्थ-

जॉनसन, एल. एस. (2000). द रेलेवांस ऑफ़ स्कूल टू कैरियर ए स्टडी इन स्टूडेंट अवेयरनेस. जर्नल ऑफ़ कैरियर डेवलपमेंट, 26(4), 263-276.

मट्टू, एम. आई. (2013). कैरियर चॉइस ऑफ़ सेकेंडरी स्टूडेंटस विथ स्पेशल रेफरेंस टू जेंडर, टाइप्स ऑफ़ स्ट्रीम एंड पैरेंटल एजुकेशन. रिसर्च इन ह्यूमेनिटिस एंड सोशल साइंसेज़, 3(20), 55-61.

ए. खान, जीनत. (2014). ए स्टडीऑफ़ प्रोफेशनल कैरियर अवेयरनेस ऑफ़ क्लास 10 स्टूडेंटस. इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एजुकेशन, 3(5), 35-37.

इब्राहीम, ऍफ़. आर., वाम्बिया. पी., अलोका. पी. एवं रबुरु, पी. (2014). द स्टेटस ऑफ़ कैरियर अवेयरनेस अमोंग सिलेक्टेड केन्या पब्लिक सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स. जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल एंड सोशल रिसर्च, 4(6), 301-312.

जोशी, ए., एवं कश्यप, एस. (2014). महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कैरियर के प्रति सजगता का अध्ययन- एक सर्वेक्षण. भारतीय आधुनिक शिक्षा, 35(1), पृष्ठ-61.

चौहान, आर., एवं पाठक, पी. डी. (2015). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा, पृष्ठ-153.

एस-बरज़ा, एम. आर., एवं गुलिओ, आर. एम. (2015). सोसिओ-डेमोग्राफिक कैरेक्टरिस्टिकस एंड कैरियर चॉइस ऑफ़ प्राइवेट सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट. एशिया पसिफ़िक जर्नल ऑफ़ मल्टीदिसिप्लीनरी रिसर्च, 3(4), पृष्ठ-78.

शर्मा, के. (2016). वोकेशनल इंटरेस्ट रेगार्डिंग कैरियर अवेयरनेस अमोंग एडोलसेंट बॉयज एंड गर्ल्स ऑफ़ रोहतक सिटी: हरयाणा (इंडिया). इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट, आई. टी एंड सोशल साइंस, 3(3), 16-21.

शर्मा, के. (2016). वोकेशनल इंटरेस्ट रेगार्डिंग कैरियर अवेयरनेस अमोंग एडोलसेंट बॉयज एंड गर्ल्स ऑफ़ रोहतक सिटी : हरयाणा (इंडिया). इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट, आई टी एंड सोशल साइंस. 3(3), 16-21.

मीनाक्षी., एवं सादिक, एस. (2017). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की परामर्श एवं निर्देशन के लिए जागरूकता का अध्ययन. जर्नल ऑफ़ मॉडर्न मैनेजमेंट एंड एंट्रेप्रेनेउर्शिप, 7(4), पृष्ठ-304.

सेठी, आर. (2017). कैरियर अवेयरनेस ऑफ़ स्टूडेंट एट सेकेंडरी स्कूल ऑफ़ ओडिशा. स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीस, 4(29), 4822-4834.

कुमार, आर. (2017). सफल कैरियर कैसे चुने. पुष्पांजलि पकाशन, दिल्ली, पृष्ठ-07.

किंडो, एम., एवं अस्तलिन, पी. के. (2020). ए स्टडी ऑफ़ कैरियर अवेयरनेस ऑफ़ ट्राइबल एंड नॉन- ट्राइबल स्टूडेंट्स ऑफ़ गुमला डिस्ट्रिक्ट झारखण्ड. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च, 9,12(6), पृष्ठ-73.

किंडो, एम., एवं अस्तलिन, पी. के. (2020). ए स्टडी ऑफ़ कैरियर अवेयरनेस ऑफ़ ट्राइबल एंड नॉन ट्राइबल स्टूडेंट्स ऑफ़ गुमला डिस्ट्रिक्ट झारखण्ड. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च, 9,12(6), 73-76.

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies